DVV-001-012303

M. A. (Sem. III) (CBCS) Examination

May / June – 2015

Hindi : CHN - 1009

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Faculty Code : 001

Subject Code : 012303

Time : **3** Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) प्रश्न के सामने अंक निर्दिष्ट है।

(२) प्रत्येक प्रश्न के अंक भिन्न–भिन्न है।

१ निम्नांकित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : १४

(१) काव्य हेतु एवं काव्य–प्रयोजन पर चर्चा करते हुए काव्य के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

(२) रस के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए, रस के अंगों का परिचय दीजिए।

(३) अलंकार की परिभाषा देते हुए, अलंकारों का वर्गीकरण कीजिए।

२ (अ) निम्नांकित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का सम्यक् उत्तर दीजिए : १०

(१) काव्य की विभिन्न परिभाषाओं का उल्लेख करते हुए काव्य–लक्षण पर प्रकाश डालिए।

(२) आचार्य वामन द्वारा प्रदत्त रीति–सम्प्रदाय को समझाइये।

(ब) निम्नांकित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का सम्यक् उत्तर दीजिए : १०

(१) वक्रोक्ति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए वक्रोक्ति सिद्धांत पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(२) ध्वनि सिद्धांत की सविस्तार समीक्षा कीजिए।

३ (अ) किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : १०

(१) औचित्य सिद्धांत

(२) साधारणीकरण

(३) अभिव्यंजनावाद

(४) कवि–शिक्षा।

(ब) किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : १०

(१) हिन्दी आलोचना

(२) काव्य–लक्षण परम्परा

(३) काव्य–दोष

(४) काव्य का स्वरूप।

४ निम्नांकित प्रश्नों के **एक–दो** वाक्य में उत्तर दीजिए : ६

(१) किस ग्रन्थ को भारतीय काव्यशास्त्र का प्रारम्भिक ग्रन्थ माना जाता है ?

(२) 'वाक्यं रसात्मक काव्यम्' – किसने कहा है ?

(३) शृंगार रस का स्थायीभाव बताइये।

(४) वक्रोक्ति सम्प्रदाय के संस्थापक किसे माना जाता है ?

(५) आचार्य क्षेमेन्द्र द्वारा स्थापित काव्य–सिद्धांत का नाम बताइये।

(६) 'काव्यशोभाकरान् धर्मानलंकारान्प्रचक्षते' – किसने कहा है ?

५ सही विकल्प पसंद करके उत्तर दीजिए : (दस) १०

(१) समस्त भारतीय विद्याओं के उद्‌गम स्रोत है –

(A) महाभारत (B) रामायण

(C) गीता (D) वेद

(२) रस सम्प्रदाय का प्रारम्भिक सूत्रपात किस ग्रन्थ में बताया गया है ?

(A) नाट्यशास्त्र (B) काव्यालंकार

(C) ध्वन्यालोक (D) अभिनव भारती

(३) 'रमणीयार्थः प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' – किसने कहा है ?

(A) भामह (B) वामन

(C) मम्मट (D) पण्डितराज जगन्नाथ

(४) 'काव्यप्रकाश' किसका प्रसिद्ध काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ है ?

(A) कुन्तक (B) आचार्य मम्मट

(C) भामह (D) वामन

(५) अलंकार के सामान्यतया कितने भेद माने जाते है ?

(A) चार (B) दस

(C) आठ (D) तीन

(६) शंकुक का मत है –

(A) अनुमितिवाद (B) मुक्तिवाद

(C) अभिव्यक्तिवाद (D) उत्पतिवाद

(७) आचार्य विश्वनाथ का प्रसिद्ध ग्रन्थ है –

(A) साहित्य संगम (B) साहित्य–लोचन

(C) साहित्य दर्पण (D) काव्यमीमांसा

(८) किस काव्यशास्त्रीय विद्वान ने काव्य की आत्मा वक्रोक्ति को माना है ?

(A) भामह (B) कुन्तक

(C) वामन (D) भरत

(९) ध्वनि सम्प्रदाय के संस्थापक माने जाते है –

(A) आनंद वर्धन (B) वामन

(C) कुन्तक (D) मम्मट

(१०) ध्वन्यालोक के व्याख्याकार अभिनवगुप्त के शिष्य है –

(A) आचार्य क्षेमेन्द्र (B) आचार्य भरत

(C) आचार्य वामन (D) आचार्य मम्मट

(११) भारतीय आचार्यों ने प्रतिभा के मुलतः कितने भेद माने है ?

(A) दो (B) आठ

(C) दस (D) ग्यारह

(१२) किस आलोचना को आत्मप्रधान आलोचना कहा जाता है ?

(A) ऐतिहासिक आलोचना (B) तुलनात्मक आलोचना

(C) सैद्धांतिक आलोचना (D) प्रभावात्मक आलोचना